

# न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, टोडारायसिंह (टोंक)

मिसल नम्बर - 240/2023

तारीख - रजु 14.06.2023

## उनवान

1. बरदी देवी पत्नी नन्दा जाति बैरवा साकिन पन्द्राहेड़ा तहसील टोडारायसिंह।
2. मुकेश पुत्र नन्दा जाति बैरवा साकिन पन्द्राहेड़ा तहसील टोडारायसिंह।
3. मडी पत्नी रामचन्द्रा जाति बैरवा साकिन पन्द्राहेड़ा तहसील टोडारायसिंह।
4. मोतीलाल पुत्र नन्दा जाति बैरवा साकिन पन्द्राहेड़ा तहसील टोडारायसिंह।
5. रामकरण पुत्र माधू जाति बैरवा साकिन पन्द्राहेड़ा तहसील टोडारायसिंह।
6. रामदयाल पुत्र रामचन्द्रा जाति बैरवा साकिन पन्द्राहेड़ा तहसील टोडारायसिंह।
7. हीरा पुत्र रामचन्द्रा जाति बैरवा साकिन पन्द्राहेड़ा तहसील टोडारायसिंह।

- प्रार्थी

## बनाम

1. तहसीलदार/लैण्ड होल्डर, तहसील-टोडारायसिंह

- अप्रार्थी

प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 128 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम

## आदेश

दिनांक : 01.04.2024

प्रार्थी का मुख्य रूप से कथन है कि उनके कब्जे काश्त व खातेदारी की आराजी खसरा नं. 3 रकबा 2.29 है0, /2365 रकबा 1.27 है0, कुल किता- 2 कुल रकबा 3.56 है0 वाके ग्राम पन्द्राहेड़ा तह. टोडारायसिंह में स्थित है। प्रार्थी की उक्त आराजी के पूर्व में मेड पडी हुई थी, जो वर्तमान में खुर्द-बुर्द हो चुकी है तथा आराजी के सीमा चिन्ह नष्ट हो चुके हैं। इस कारण वादग्रस्त आराजी के पडोसी खातेदारान सीमा चिन्ह नष्ट हो जाने के कारण प्रार्थी की उक्त आराजी में घुसकर कब्जा करना चाहते हैं, जिससे आए दिन लड़ाई-झगडे होते रहते हैं। मौके पर कभी भी गंभीर वारदात कर सकते हैं। इस कारण प्रार्थी उक्त वादग्रस्त आराजी के मुश्तकील मुटाम कायम कर पत्थरगढी करवाने का अधिकारी है।

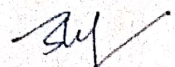
प्रार्थी ने उक्त आराजी की पत्थरगढी करने हेतु तहसीलदार, टोडारायसिंह को निवेदन किया तो उन्होंने पत्थरगढी करने से इंकार कर दिया। जिस पर यह प्रार्थना-पत्र कायम किये जाने, सीमाचिन्ह पत्थरगढी हेतु न्यायालय राजा में पेश करना आवश्यक हुआ।

विवाद मूल व प्रार्थना-पत्र की प्रकृति को दृष्टिगत रखते हुए प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र का माननीय न्यायालय हाजा को श्रवणाधिकार व क्षेत्राधिकार प्राप्त है।

अतः प्रार्थना-पत्र पेश कर निवेदन है कि प्रार्थी की खातेदारी व कब्जेकाश्त की आराजी खसरा नं. 3 रकबा 2.29 है0, 3/2365 रकबा 1.27 है0, कुल किता- 2 कुल रकबा 3.56 है0 वाके ग्राम पन्द्राहेड़ा तह. टोडारायसिंह को आवश्यक आदेश व निर्देश प्रदान करे तथा पालना रिपोर्ट न्यायालय में मंगवाई जाये।

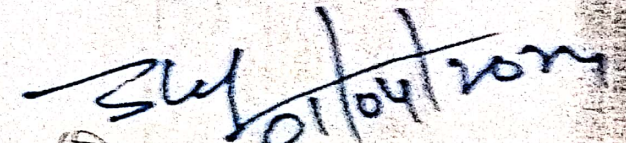
प्रार्थना-पत्र प्रार्थी प्रस्तुत होने पर प्रार्थना-पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर तलबी अप्रार्थी जरिए नोटिस की गई जिस पर अप्रार्थी नम्बर 01 द्वारा जवाब प्रस्तुत कर निवेदन किया कि उक्त भूमि का सीमाज्ञान नहीं करवाया गया है। उक्त भूमि पर कब्जाकाश्त प्रार्थीगण का है। किसी न्यायालय का स्थगन नहीं है। ना ही कोई वाद विचाराधीन है। अप्रार्थी नम्बर 01 फॉर्मल पक्षकार है। प्रार्थना पत्र में यह नहीं लिखा कि किन पडोसी खातेदारों से सीमा संबंधी विवाद है। पडोसी खातेदारान को पक्षकार बनाये जाने के उपरान्त उनको सुना जाकर पत्थरगढी के आदेश पारित किये जाने उचित है।

अभिभाषक व पैरोकार सरकार को सुना गया। हमने पत्रावली का अवलोकन किया, बहस पर मन्नन किया, वादग्रस्त आराजी मुताबिक नकल, जमाबंदी के अनुसार प्रार्थीगण के खातेदारी में दर्ज रिकार्ड है अर्थात् प्रार्थी आराजी के रिकार्ड खातेदार है। कोई भी रिकार्ड खातेदार अपनी खातेदारी भूमि की नियमानुसार शुल्क जमा पत्थरगढी करवाने का कानून अधिकारी होता है। जहां तक तहसीलदार के जवाब में लिये गये उज का प्र पडोसी खातेदारान को पक्षकार बनाये जाने के उपरान्त उन्हें सुना जाकर आदेश पारित किये जायें। इस संबंध में पत्थरगढी करवाते समय आराजी के संबंधित खातेदारान व पडोसी खातेदारान की मौजूदगी में ही पत्थरगढी करवाई जायेगी।



अतः प्रार्थना-पत्र प्रार्थियान स्वीकार किया जाकर तहसीलदार, टोडारायसिंह को निर्देश है कि आराजी खसरा नं. 3 रकबा 2.29 है0, 3/2365 रकबा 1.27 है0, कुल किता- 2 कुल रकबा 3.56 है0 वाके ग्राम पन्द्राहेडा तह. टोडारायसिंह जिला टोंक में प्रार्थी से नियमानुसार सीमाज्ञान शुल्क राजकोष में जमा करवाकर प्रार्थी व आराजी के पडौसी खातेदारान की मौजूदगी उक्त आराजी में फसल मौजूद नहीं होने की रिथति में सीमा ज्ञान करवाकर पत्थरगढी करवायें। पालनार्थ तहसीलदार, टोडारायसिंह को तहरीर जारी हो एवं पालना रिपोर्ट न्यायालय में पेश करे।

निर्णय आज दिनांक 01.04.2024 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(शिवराज मीणा)  
उपखण्ड अधिकारी  
टोडारायसिंह